प्रसार शिक्षा निदेशालय

चौधरी सरवण कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर

जुलाई, 2018 महीने के दूसरे पखवाड़े में किये जाने वाले कृषि एवं पशुपालन कार्य

प्रसार शिक्षा निदेशालय, चौधरी सरवण कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर ने जुलाई 2018 माह के दूसरे पखवाड़े में किये जाने वाले मौसम पूर्वानुमान सम्बन्धित कृषि एवं पशुपालन कार्यों के बारे में निम्नलिखित सलाह दी है, जो किसानों को लाभप्रद साबित होगी।

मक्की

- जिन खेतों में मक्की की बुआई जून के द्वितीय पखवाड़े में की गई है उनमें निराई-गुड़ाई उपरान्त 65-85 किलोग्राम यूरिया/हैक्टेयर की दर से डालें।

सब्ज़ी उत्पादन

- प्रदेश के मध्यवर्ती पहाड़ी क्षेत्रों में फूलगोभी की दरम्याना किस्मों इम्प्रूवड़ जापानीज़, पालम उपहार, पूसा दीपाली, तथा मेघा (संकर) की पनीरी दें। पनीरी उगाने के लिये तीन मीटर लम्बी, एक मीटर चौड़ी तथा 10-15 सैंमी. ऊँची क्यारी में 20-25 कि.ग्रा. गली सड़ी गोबर की खाद, 200 ग्राम इफको मिश्रण खाद, 15-20 ग्रा. इण्डोफिल एम-45 तथा 15-20 ग्रा. थिमेट मिट्टी की ऊपरी सतह में डाल कर कतारों में 5 सैं.मी. की दूरी पर बीज की पतली बीजाई करें। अधिक वर्षा से पौध को बचाने हेतू क्यारियों के ऊपर छत या तन का निर्माण करें।
- बन्दगोभी की तैयार पौध को खेतों में 45 X 45 सैं.मी. की दूरी पर रोपाई करें। रोपाई के पूर्व 200 क्विंटल गोबर की गली सड़ी खाद के अतिरिक्त 280 कि.ग्रा. 12:32:16 मिश्रण खाद व 90 कि.ग्रा. यूरिया खाद प्रति हैक्टेयर खेतों में डालें।
- फूल आने पर टमाटर, बैंगन, शिमला मिर्च, लाल मिर्च तथा कद्दू वर्गीय सब्ज़ियों में नत्रजन की मात्रा (40-50 कि. ग्रा. यूरिया खाद प्रति हैक्टेयर) खेतों में डालें।
- ऊँचाई वाले क्षेत्रों में (आर्द्र शीतोषण क्षेत्रों) मटर की सुधरी प्रजातियों जैसे पालम समृल, पंजाब-89, लिंकन, आजाद पी 1, पालम प्रिया की बत्तर अवस्था में बीजाई करें। बीजाई के समय 200 क्विंटल गोबर की गली सड़ी खाद के अतिरिक्त 187 कि.ग्रा. (12:32:16) मिश्रण खाद तथा 50 कि.ग्रा. म्यूरेट आफ पोटाश प्रति हैक्टेयर खेतों में डालें। बीजाई के तुरन्त बाद खरपतवार नाशक रसायनों जैसे लासो/एलाक्लोर या स्टाम्प (पैण्डिमिथेलिन) (3.0 लीटर प्रति 750 लीटर पानी प्रति हैक्टेयर) का घोल बनाकर छिड़काव करें।

फसल संरक्षण

- टमाटर व भिण्डी की फसल में फल छेदक कीट नियन्त्रण के लिए 750 मि.ली. साइपरमैथरीन(रिपकार्ड 10 ई.सी.) या लैम्बडासाईहेलोथ्रिन (कराटे 5 प्रतिशत) या 750 मि.ली. डैल्टामिथरिन (डैसिस 2.8 ई.सी.) 750 लीटर पानी प्रति हैक्टेयर की दर से स्टिकर डाल कर कीटनाशकों का छिड़काव करें। छिड़काव के 10-15 दिनों के बाद ही फसल की तुड़ाई करें ।

---

* एक हैक्टेयर = 12.5 बीघा या 25 कनाल

- टमाटर तथा कद्दूवर्गीय सब्ज़ियों में फल मक्खी के नियन्त्रण के लिये जमीन पर गिरे हुए फलों को इक्ट्ठा करके नष्ट कर दें तथा आसपास की झाड़ियों व फल मक्खी के बैठने के स्थानों पर मैलाथियॉन (10 मि.ली.) तथा गुड़ (50 ग्रा.) के मिश्रण को 5 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव करें तथा खेतों में 25 फल मक्खी यौन गन्ध ट्रैप प्रति हैक्टेयर लगायें।
- बैंगन में फल सड़न की रोकथाम के लिये मैटामिल/रिडोमिल एम.जैड. या इण्डोफिल एम-45(2.5 ग्रा. प्रति लीटर पानी) का छिड़काव करें। आमतौर पर छिड़काव के लिए प्रति हैक्टेयर 750 लीटर घोल की आवश्यकता होती है। तथा 15 दिन बाद दोबारा छिड़काव करें।

पशुधन

- इस मौसम में पशुओं में गर्माने के लक्षण तीव्र नहीं होते अतः सुबह व सांय इन लक्षणों का पता योनि की लार से लगाऐं।
- नवजात बच्चों की देखभाल बहुत आवश्यक है। जन्म लेने के दो घण्टे के अन्दर बौली/कीड़/खीस अवश्य पिलाएं। एक दिन के लिए बौली बछड़े के भार का 1/10 दिन में तीन चार बार दें । इससे बिमारियों से बचाव होता है एवं कीड़ विटामिन का अच्छा स्त्रोत है।
- यदि पशुओं को घाव हो जाऐं तो 2-4 प्रतिशत फिनाईल के घोल से धोकर साफ कर लें। यदि कीड़े पड़ गए हो तो उन्हें निकाल कर लोरेक्सेन/हिमेक्स/हरवेक्स सहलम दिन में 2-3 बार लगाऐं। मक्खियों से बचाव के लिए घाव पर पट्टी बांधना लाभदायक है।
- मुर्गियों को बीमारियों से बचाने के लिए मुर्गीघरों में नमी मत होने दें। वर्षा की बौछारों से बचाव के लिए पर्दो के तौर पर पुरानी बोरियों का इस्तेमाल कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए स्थानीय पशु चिकित्सक की सलाह अवश्य लें।

किसान भाईयों एवं पशु पालकों से अनुरोध है कि अपने क्षेत्र की भौगोलिक तथा पर्यावरण परिस्थितियों के अनुसार अधिक एवं अतिविशिष्ठ जानकारी हेतु नजदीक के कृषि विज्ञान केन्द्र से सम्पर्क बनाए रखें । अधिक जानकारी के लिए कृषि तकनीकी सूचना केन्द्र (एटिक) (01894-230395/1800-180-1551) से भी सम्पर्क कर सकते हैं ।

निदेशक
प्रसार शिक्षा

प्रसार शिक्षा निदेशलय, चौ. स. कृ. हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर द्वारा किसानों के हित में जारी ।

प्रतिलिपि :

. सयुंक्त निदेशक (सूचना व जनसम्पर्क), चौ.स.कृ. हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर
2. मुख्य सम्पादक, गिरीराज प्रैस परिसर, घोड़ा चौकी, शिमला (हि.प्र.)
3. प्रभारी, यू.एन.एस., चौ.स.कृ. हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय को वेबसाइट में अपलोड हेतू प्रेषित।
4. केन्द्र निदेशक, आकाशवाणी, धर्मशाला तथा शिमला, हिमाचल प्रदेश।
5. केन्द्र निदेशक, दूरदर्शन केन्द्र, शिमला, हिमाचल प्रदेश।
6. प्रधान ग्राम पंचायत, सेहल तथा धरेड़, (बैजनाथ) को उचित कार्यवाही हेतू प्रेशित।

Endst No. QSD 3-57/DEE/Tech/CSKHPKV/-2518-22 Dated : 5/7/2018

* एक हैक्टेयर = 12.5 बीघा या 25 कनाल

UNS